International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 4, April 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. अबधेश सिंह

शिक्षा एक विकासात्मक प्रक्रिया है। शिक्षा के द्वारा मानव के साहित्यिक, सामाजिक, वाणिज्यिक, कलात्मक, रचनात्मक कृषि, विज्ञान, सूचना एवं तकनीकी, आदि सभी पहलुओं का विकाश हुआ है, और मानव विभिन्न स्तरों को प्राप्त करता गया। निःसन्देह भारतीय शिक्षा –पुराण, स्मृतियों, दर्षन, गीता, रामायण, वेद आदि ने मानव की योग्यताओं का अधिकतम विकास किया हैं। प्रचीन काल में मानव रेखाचित्रों, नाटक, नौटंकी, स्वांग, रासलीला व आखेटों एवं कठपुतलियों, भजन, कीर्तन व गायन आदि के माध्यमों से मनोरंजन करता था। परन्तु वैज्ञानिक विकास के साथ–साथ मनोरंजन के साधनों में भी विकास हुआ नये–नये यन्त्रों, रेडियो, टेलीविजन, सी. डी., डी. वी. डी., टेलीकान्फ्रेंसिंग, कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट सिनेमा, आडियो कैसेट, वीडियो कैसेट एवं अन्य साधनों का आविष्कार हुआ जिसमें पहले रेडियो आया जो आज भी बहुसांख्य जनता के मनोरंजन का साधन है। तदुपरान्त दूरदर्शन (टेलीविजन के रूप में विज्ञान का एक अद्भुत आविष्कार हुआ), जिसने मनोरंजन का स्वरूप ही बदल कर रख दिया। उसके बाद अनेकों मनोरंजन के साधनों का प्रचलन आता जा रहा हैं। जिसका एक जीता जागता उदाहरण विश्व के नौनिहालों के हाथ में मोवाईल फोन हैं। उपरोक्त इन सभी साधनों का छात्र–छात्राओं के जीवन पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यख रूप से प्रभाव अवश्य पढता हैं। छात्र–छात्राओं की विभिन्न आकांक्षाऐ जैसे जज, डॉक्टर, क्लर्क, उपदेशक, वकील, डी. एम., पुलिस अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आदि सेवाओं को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित सामाजिक पृष्ठभूमि के कार्यक्रमों के प्रभाव से प्रभावित होती हैं।

शंखधर (2009) कहते हैं कि ''टेलीविजन एक ही समय में अत्यधिक लोगों की मानसिक शक्ति तथा अकांक्षाओं को प्रभावित करता हैं।''

अतः टेलीविजन पर प्रसारित विभिन्न मनोरंजन एवं सूचना पद कार्यक्रम बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को कई तरह से प्रभावित करते हैं। लेकिन जहॅा तक किशोरावस्था के विद्यार्थियों का सवाल है, उनके कोमल मन पर इनका कुछ विशेष प्रभाव पड़ता है। कुछ शिक्षाविद् दूरदर्शन कार्यक्रमों को विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया एवं व्यक्तित्व निर्माण में सकारात्मक एवं सहायक उपकरण की भूमिका में मानते हैं। तो कुछ समय बर्वादी के रुप में इसे बुद्धू वक्सा (Idiot Box)कहते हैं, साथ ही साथ आज के समय में दूरदर्शन पर उपलब्ध सैकड़ों चैनल की विविधता, विभिन्न संस्कृति एवं सभ्यताओं को प्रस्तुत करने के कार्यक्रम, किशोरों को इतना मन्त्र–मुग्ध करते है कि वे अपना भला–बुरा भूलकर घण्टों–घण्टों भर टी.वी. से चिपके रहते हैं। शायद इसी लिये कहा जाता है कि दूरदर्शन ने बालकों एवं किशोरों का बचपन ही छीन लिया है।

गायकवाड़ (2000) के अनुसार ''टेलीविजन देखने वाले प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पाठ्य–सहगामी क्रियाओं के द्वारा रूचि, अकांक्षा और कुशलता विकसित हुयी। साथ ही टेलीविजन के माध्यम से छात्र–छात्राओं में लाया गया परिवर्तन ज्ञानात्मक प्रकृति का होता प्रस्तुत शोध पत्र इसी दिशा में छात्र–छात्राओं की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन का एक प्रयास किया है।

कार्यात्मक परिभाषा –प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित आठ व्यवसायिक आकांक्षाओं को आधार मानकर समेकित किया गया है।

1. **साहित्यिक व्यवसायिक आकांक्षा** –इसके अन्तर्गत कहानी लेखन, उपन्यास लेखन, साहित्यिक समालोचना, काव्य रचना, व्यंग रचना आदि को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
2. **विज्ञान एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत इन्जीनियरिंग, कृषि प्रौद्योगिकी एवं अभियन्त्रिकी, वैज्ञानिक उपकरणों के निर्माण एवं उपयोग आदि सेवाओं को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
3. **वाणिज्यिक व्यवसायिक आकांक्षा** – इस व्यवसायिक आकांक्षा के अन्तर्गत शेयर ब्रोकर, फैक्ट्री लगाने, सी. ए., यन्त्र व उपकरण निर्माण को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
4. **सामाजिक व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत जज, डॉक्टर, क्लर्क, उपदेषक, वकील, डी. एम., पुलिस अधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आदि सेवाओं को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
5. **रचनात्मक व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत आर्किटेक्चर, चित्रकार, निदेषक, षिल्पकार, भवन निर्माता, डिजायनर आदि को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
6. **कलात्मक व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत गजल गायकी, भजन गायकी, अभिनय, मॉडलिंग, फिल्म निर्माण, आदि को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।
7. **कृषि व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत कृषि निदेषन एवं निरीक्षण, पषुपालन, पषुचिकित्सा, दुग्ध उत्पादन आदि को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।

8. **सूचना एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा** – इसके अन्तर्गत पत्रकारिता, फोटोग्राफी, समाचार सम्पादन, समाचार पत्र एवं पत्रिका तथा न्यूज चैनल से सम्बन्धित सेवाओं को व्यवसाय के रूप में चयनित करने की इच्छा को सम्मिलित किया गया है।

उद्देश्य –

1 स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन करना।

2. शहरी तथा ग्रामीण स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की आकांक्षा पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. स्नातक स्तर के शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि :–

चूंकि यह शोध आनुभाविक स्वाभाव का है। अतः घटनोत्तरकम वर्णनात्मक अनुसंधान विधि का प्रयोग किया है ।

न्यादर्ष– प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु फिरोजाबाद जनपद के टूण्डला तहसील के चयनित महाविद्यालयों के 100 स्नातक विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया है।

चर –

1.स्वतन्त्र चर :–दूरदर्शन द्वारा प्रसारित सामाजिक पृष्ठ भूमि के कार्यक्रम,

2.आश्रितचर :–आकांक्षाऐं,

उपकरण–प्रस्तुत अध्ययन में दूरदर्शन द्वारा प्रसारित सामाजिक पृष्ठभूमि के कार्यक्रमों के प्रभाव सम्बन्धी, **डॉ0 अजीत शंखधर** द्वारा निर्मित एवं आगरा साइक्लौजीकल रिसर्च सेन्टर द्वारा मानकीकृत एवं प्रकाशित व्यावसायिक आकांक्षा मापनी का प्रयोग किया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 4, April 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सांख्यिकी विष्लेषण– शोधकर्ता ने ऑकडे एकत्रित कर निम्न प्रकार वर्गीकृत किया

सारणी–1 (परिकल्पना –1 के लिये)

क्र. सं.	व्यवसायिक आकांक्षायें	स्नातक छात्र N=50			स्नातक छात्रायें N=50			परिकलित टी–मान
		मध्यमान	प्रसरण	मनक विचलन	मध्यमान	प्रसरण	मानक विचलन	
1	साहित्यिक व्यवसायिक आकांक्षा	24.70	19.50	4.42	24.59	21.25	4.61	0.730
2	विज्ञान एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा	27.38	23.16	4.81	26.92	25.44	5.04	0.180
3	वाणिज्य व्यवसायिक आकांक्षा	24.79	11.28	3.36	24.49	15.39	3.92	0.250
4	सामाजिक व्यवसायिक आकांक्षा	27.94	20.36	4.51	28.83	19.19	4.38	0.010
5	रचनात्मक व्यवसायिक आकांक्षा	25.31	11.68	3.42	25.88	14.35	3.79	0.030
6	कलात्मक व्यवसायिक आकांक्षा	26.23	17.38	4.17	25.54	26.66	5.16	0.040
7	कृषि व्यवसायिक आकांक्षा	20.10	31.18	5.59	19.60	25.06	5.01	0.190
8	सूचना एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा	23.86	19.80	4.45	24.31	19.52	4.42	0.150

0.05 सार्थकता स्तर पर डी. एफ. 98 पर परिगणित टी के सभी मान (t=0.73, 0.18, 0.250,0.010,0.030, 0.040, 0.190, 0.150), सारणी के 0.05 स्तर पर 1.984 से कम है। अतः यह सार्थक अन्तर नही है। शून्य परिकल्पना सत्य एवं स्वीकार की जाती है।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट हैं कि स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं की विभिन्न आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई सार्थक अंतर नहीं है। नामक परिकल्पना सत्य एवं स्वीकार की जाती हैं। अर्थात सभी प्रकार की आकांक्षाओं पर समान प्रभाव पड़ता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 4, April 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी–2 (परिकल्पना –2 के लिये)

क्र. सं.	व्यवसायिक आकांक्षायें	ग्रामीण विद्यार्थी N=50			शहरी विद्यार्थी N=50			परिकलित टी मान
		मध्यमान	प्रसरण	मानक विचलन	मध्यमान	प्रसरण	मानक विचलन	
1	साहित्यिक व्यवसायिक आकांक्षा	24.57	18.46	4.30	24.84	20.59	4.54	0.530
2	विज्ञान एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा	27.31	21.26	4.61	27.46	25.17	5.02	0.760
3	वाणिज्य व्यवसायिक आकांक्षा	24.31	10.28	3.21	25.27	11.87	3.45	0.004
4	सामाजिक व्यवसायिक आकांक्षा	28.49	19.84	4.55	27.40	20.39	4.52	0.016
5	रचनात्मक व्यवसायिक आकांक्षा	25.60	9.94	3.15	25.02	13.32	3.65	0.093
6	कलात्मक व्यवसायिक आकांक्षा	25.97	18.25	4.27	26.49	16.46	4.06	0.210
7	कृषि व्यवसायिक आकांक्षा	19.64	29.30	5.41	20.55	32.80	5.73	0.100
8	सूचना एवं तकनीकी व्यवसायिक आकांक्षा	24.32	17.93	4.23	23.40	21.35	4.62	0.040

सारणी के आधार पर परिगणित टी के सभी मान (t=0.53, 076, 0.004, 0.016, 0.093, 0.21, 0.10, 0.040) डी. एफ. 98 के लिये t .05=1.984 से से कम है। जोकि सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः उपरोक्त सारणी से स्पष्ट हैं कि '' स्नातक स्तर के शहरी तथा ग्रामीण विद्यार्थियों की आकांक्षाओं पर दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई सार्थक अंतर नहीं है। '' नामक परिकल्पना सत्य एवं स्वीकार की जाती है। अर्थात दौनों पर समान प्रभाव पड़ता है।

उपसंहार– उपरोक्त दौनों सारणी के आधार पर परिकल्पनाओं में सार्थक अन्तर नही आने से उद्देश्य की प्राप्ति की जाती हैं। तथा सामाजिक पृष्ठभूमि के कार्यक्रमों के प्रभाव से स्नातक स्तर के छात्र–छात्राओं की सभी प्रकार की आकांक्षाओं पर प्रभाव पढ़ता हैं। तथा मध्यमानों में पाया जाने वाला मामूली अन्तर सयोंगवष हैं।

संदर्भ–

1.. भटनागर, डॉ आर.पी.–शिक्षा अनुसंधन, लायल बुक डिपो, मेरठ.

2.. गुप्ता,डॉ एस.पी.–आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,षारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद.

3.. सिंह,अरूण कुमार–मनोविज्ञान,समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियॉ,मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली.

4..शंखधर (2008) दूरस्थ शिक्षा विद्यार्थियों के मूल्यों एवं आकाक्षाओं पर टी0 वी0 कार्यक्रमों के प्रभाव का अध्ययन , म0ज्यो0 फु0रू0 विवि0 बरेली

5कृकौशिक (2015) दूरदर्शन कार्यक्रमों का विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों पर प्रभाव,शिक्षामित्र ISSN:0976-3406,2015,Page 23-25.